## पी. पी. कंदासामी

**अकादेमी पुरस्कार:**
**नृत्य और नृत्य नाटक की अन्य प्रमुख परम्पराएँ (थेरुकूथु)**

तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले के पालवाडी गांव में सन् 1946 में जन्मे, श्री पी. पी. कंदासामी ने थेरुकूथु का प्रशिक्षण श्री पी. एल. वेंकटाचलन मुनिसामी और थिरु थिनु चिन्नासामी जैसे गुरुओं से प्राप्त किया है। आपने इनसे महाकाव्य, उपन्यास और सामाजिक नाटकों को प्रस्तुत करने की कला सीखी।

श्री कंदासामी एक ऐसे परिवार से आते हैं जो परम्परागत रूप से थेरुकूथु से जुड़ा हुआ है। आपकी थेरुकूथु की कला यात्रा गाँव से शुरू हुई थी जो क्रमशः विस्तृत होती हुई राष्ट्रीय फलक तक आ पहुँची है। आपने न केवल तमिलनाडु बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित होने वाले प्रमुख उत्सवों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी है। आपकी अपनी मंडली है। साथ ही, आप अन्य मंडलियों के साथ भी प्रस्तुतियाँ देते रहे हैं। आपने 75 से अधिक युवा पीढ़ी के कलाकारों को थेरुकूथु का प्रशिक्षण दिया है।

श्री कंदासामी को थेरुकूथु के क्षेत्र में योगदान के लिए कई संस्थानों द्वारा सम्मानित किया गया है और सराहा गया है।

श्री पी. पी. कंदासामी को थेरुकूथु में योगदान के लिए वर्ष 2020 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

## P. P. KANDHASAMI

**Akademi Award:**
**Other Major Traditions of Dance and Dance Theatre (Therukoothu)**

Born on 2 July 1946 in Palavadi village in Dharmapuri district of Tamil Nadu, Shri P.P. Kandaswami's training in Therukoothu started early under P.L. Venkatachalam, Munisamy and Chinnasamy from whom he learnt the epics, novels and social plays.

The tradition of Therukoothu was already being practiced by the family of Shri Kandaswami started performing across the length and breadth of Tamil Nadu starting from the nearby villages to major tours and festivals in various parts of the country with his own troupe as well as with many other groups. Over 75 now, he has been training several artists and the younger generation in Therukoothu.

Shri Kandaswami has earned appreciation and recognition from several institutions.

Shri P.P. Kandaswami receives the Sangeet Natak Akademi Award for 2020 for his contribution to Therukoothu.